Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 22-08-2006
Participants : Singh Shri Prabhunath,Patil Shri Shivraj V.

an>

Title : Submission regarding need to provide diesel subsidy to farmers affected by drought in Bihar.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, महंगाई की मार से पूरा देश परेशान है। लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। अभी बिहार में सुखाड़ की स्थिति पैदा हो गयी है जिससे निपटने के लिए किसान अपने को असमर्थ महसूस कर रहे हैं। उसका कारण यह है कि वहां सिंचाई के कोई साधन न तो केन्द्र सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये गये और न राज्य सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये गये। उस परिस्थिति को देखकर बिहार सरकार ने देहाती इलाकों में जिन किसानों ने धान की फसल बोई है, उनकी फसल को बचाने के लिए डीजल पर 10 रुपये की सब्सिडी दी है। जो पैसा जिले में चला गया है, यह तय किया गया है कि पंचायत के माध्यम से किसान अपनी खेत का पटवन करेंगे, धान की फसल बचायेंगे, उनको 10 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से सब्सिडी दी जायेगी। हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करना चाहते हैं कि जिस तरह से बिहार सरकार ने किसानों की धान की फसल को बचाने के लिए 10 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी डीजल पर देने का काम किया है, उसी तरह केन्द्र सरकार भी 15 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी दे ताकि किसान अपनी फसल को बचा सकें। हम आपके माध्यम से लालू यादव जी से भी कहना चाहते हैं कि आप सरकार के ताकतवर मंत्री हैं। *

---

*Not Recorded.

MR. SPEAKER: That will be deleted. आप उसे छोडिये और आगे बोलिये।

…(व्यवधान)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : अध्यक्ष महोदय, अभी तक बिहार सरकार ने केन्द्रीय टीम की मांग भी नहीं की है। …(व्यवधान) हम बिहार गये थे। यहां पर हमने स्टेटमैंट दिया है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, हो गया।

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have got a ready response also.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम इसलिए कह रहे हैं कि लालू यादव जी बड़े ताकतवर मंत्री हैं। हम लोग यह जानते भी हैं। आप अपनी ताकत का परिचय देकर केन्द्र सरकार से सब्सिडी दिलवाइये ताकि किसान अपनी फसल को बचा सके। …(व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Just keep quite please. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You need not respond to it.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: If you do not want it, I will sit down.

उड़ीसा के लोगों को भी जो तकलीफ हो रही है, हम उस पर ध्यान देंगे। वहां की सरकार से कोई निवेदन आएगा, तो हम उसे देखकर जो भी मदद कर सकते हैं, वह करेंगे। यहां पर दूसरा मुद्दा घृणित कार्य का उठाया गया।

श्री गणेश सिंह (सतना) : मध्य प्रदेश को भी शामिल कर लें।

श्री शिवराज वि. पाटील : वह भी करेंगे।

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : गुजरात को भी ले लीजिए, अभी मिस्त्री जी उस पर कहेंगे।

श्री शिवराज वि. पाटील : प्रदेश सरकारों की तरफ से नैसर्गिक आपदा के बारे में जो भी निवेदन आएंगे, हम उन्हें देखकर जो कर सकते हैं, वह करेंगे।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I do not think, hon. Members are anxious to carry on with the House. Let me adjourn the House; let us go home. People will send us home very soon.

… (*Interruptions*)

श्री शिवराज वि. पाटील : बिहार का जो दूसरा मुद्दा यहां उठाया गया, वह दलित महिलाओं और अन्य बहुत सारी महिलाओं के बारे में था। इस मामले पर राज्य सरकार से हम मालूमात करके जो कुछ भी करना होगा, वह करेंगे। राज्य सरकार भी इस पर कार्र वाई करेगी और हम भी करेंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : एक तरफ कहा जाता है कि विधि व्यवस्था का मामला राज्य सरकार का विाय है और दूसरी तरफ मंत्री जी ऐसा कह रहे हैं। यह नाइंसाफी की बात है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: One hon. Member is raising an important matter. Please allow him.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ram Kripal Yadav, how can you shout from there? यह ठीक नहीं है।

-